आकाशवाणी देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 23.09.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में पहले पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का शुभारंभ किया। कहा– भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का सशक्त केंद्र बनेगा गुरुकुलम्।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने देहरादून में आईआईएम काशीपुर परिसर का ि"लान्यास किया। विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे।
- 15 अक्टूबर तक गड्ढामुक्त होंगी उत्तराखंड की सड़कें। हर जिले में युद्धस्तर पर काम शुरू। तय समय सीमा के बाद खुद सड़कों का जायजा लेंगे मुख्यमंत्री धामी।
- बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या ने तोड़ा रिकॉर्ड। पहली बार 17 लाख 79 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन।

गुरुकुलम्

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरिद्वार में पहले पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यहां योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ आधुनिक शिक्षा का समन्वय किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। योग गुरू स्वामी रामदेव ने कहा कि गुरुकुलम् पूरे विश्व का मार्गदर्शन करेगा।

आईआईएम काशीपुर

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आज देहरादून में भारतीय प्रबंध संस्थान, आईआईएम काशीपुर के परिसर का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि परिसर की स्थापना से प्रदेश के साथ ही इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। इससे विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी। आईआईएम काशीपुर के निदेशक, प्रोफेसर नीरज द्विवेदी ने बताया कि काशीपुर में 200 एकड़ का मुख्य परिसर है, जबकि देहरादून में पांच एकड़ भूमि पर परिस की शुरुआत की जा रही है।

आयुर्वेद दिवस

नई टिहरी स्थित जिला अस्पताल बौराड़ी में आज आयुर्वेद दिवस पर स्वास्थ्य संगोष्ठी और निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आयुर्वेद, योग, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी। लोगों को दिनचर्या और ऋतुचर्या के अनुसार खान–पान और जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग के चिकित्सकों के साथ ही सीआईएसएफ के जवानों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया। प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सक सत्येंद्र सिंह रावत ने कहा कि लोगों को अपनी दैनिक जीवनशैली में आयुर्वेद के सिद्धांतों को शामिल करना चाहिए।

सड़कों की मरम्मत

उत्तराखंड में मानसून से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। पहाड़ से मैदान तक विभागीय टीमें सड़कों को दुरुस्त करने में जुटी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 अक्टूबर तक प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त करने की समयसीमा तय की है और अभियान की प्रगति की मुख्यमंत्री स्तर से लगातार निगरानी की जा रही है। भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेश के सभी जिलों में क्षतिग्रस्त सड़कों और संपर्क मार्गों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मरम्मत कार्य में खानापूर्ति के बजाय निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ काम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर के बाद वे खुद विभिन्न क्षेत्रों में जाकर सड़कों की स्थिति और मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करेंगे। गुणवत्ता में लापरवाही या अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

चारधाम यात्रा

प्रदेश में चारधाम यात्रा लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। बदरीनाथ धाम में इस वर्ष दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पहली बार 17 लाख 79 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा 23 अप्रैल से शुरू हुई थी और कपाट बंद होने में अभी करीब डेढ़ महीने का समय शेष है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल बदरीनाथ धाम में 17 लाख 78 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। इस वर्ष यह संख्या पहले ही पिछले रिकॉर्ड को पार कर चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए धामों और यात्रा पड़ावों पर सुविधाओं, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बदरीनाथ धाम को धार्मिक और पौराणिक महत्व के अनुरूप विकसित करने का कार्य जारी है।

संस्कृत छात्र प्रतियोगिता

बागेश्वर जिले में विकासखंड स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन आज कनिष्ठ वर्ग के छात्र–छात्राओं ने संस्कृत श्लोक, निबंध, वाद–विवाद, आशुभाषण, समूहगान और संस्कृत नाटक में भाग लिया। ब्लॉक संयोजक मोहन जोशी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ती है और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। संस्कृत शिक्षक गोपाल कृष्ण जोशी ने बताया कि संस्कृत के प्रचार–प्रसार और उन्नयन के उद्देश्य से इन प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।